मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक
मार्च - 2020
वर्ष 8, अंक 6, पृ.सं. 20

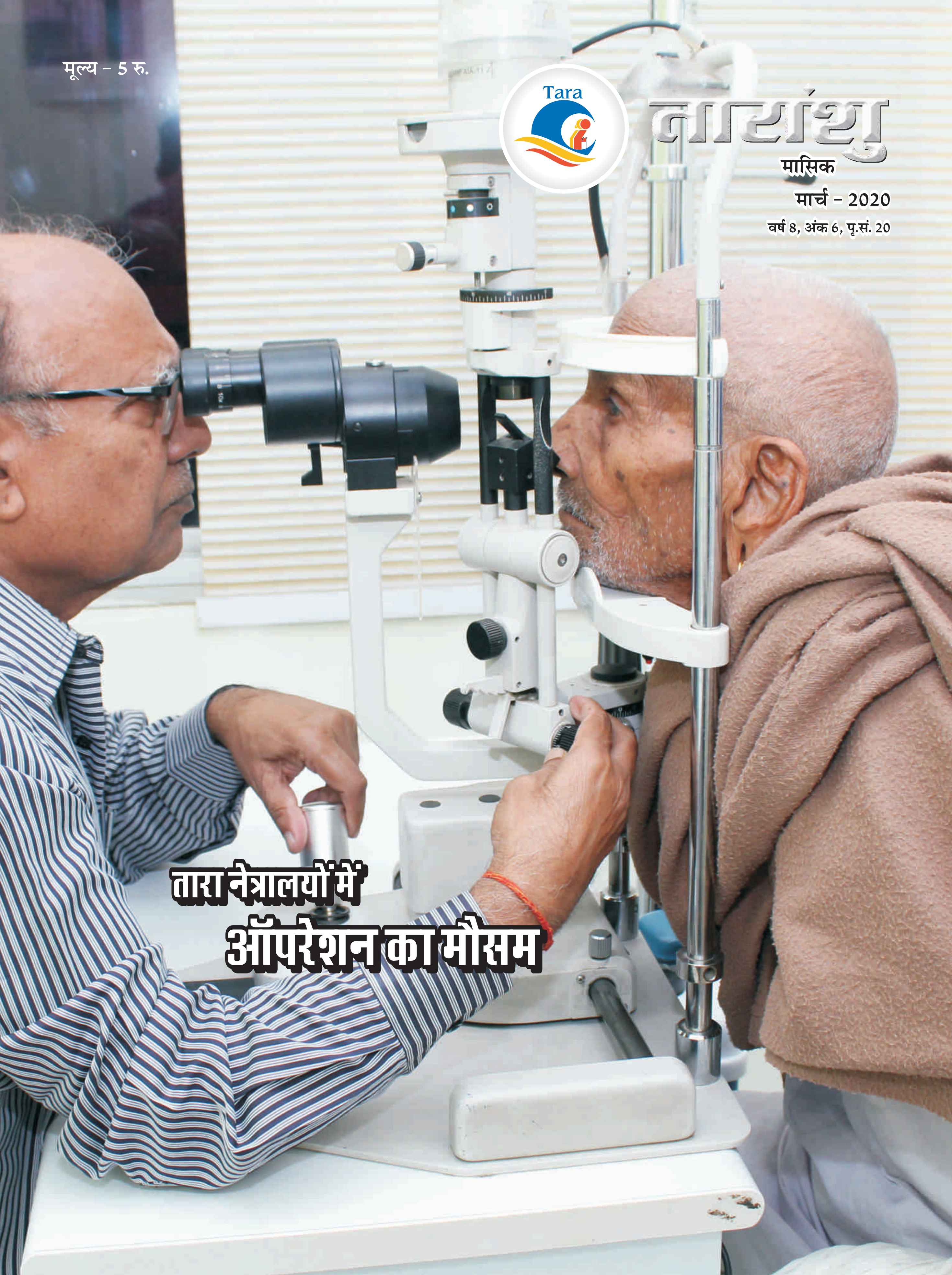

तारा नेत्रालयों में ऑपरेशन का मौसम

तारा संस्थान के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

भूमि सेवा “रत्न” 1,00,000 रु.

भूमि सेवा “मनीषी” 51,000 रु.

भूमि सेवा “भूषण” 21,000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य 200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

शुद्ध संकल्प हमारे जीवन का अनमोल खजाना है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 8, अंक - 6, मार्च - 2020

अनुक्रमणिका

विषय | पृष्ठ संख्या

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर 02
अनुक्रमणिका....03
लेख : 1 होली के रंग : बुजुर्गों के रंग....04
लेख : 2 तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. में एक दिन....05
देशभर में तारा नेत्रालय 06
तारा नेत्रालयों में ऑपरेशन का मौसम 07-10
जीवन रुकता नहीं फिर हम क्यों रुके - तारा संस्थान की नयी पहल 11
तीन वृद्धाश्रम : तीन आवासियों की कहानियाँ....12
गौरी योजना / तृप्ति योजना....13
न्यूज ब्रीफ....14-15
विनम्र अपील / घोषणा - पत्र....16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर / हार्दिक श्रद्धांजलि....17
धन्यवाद / अभिनन्दन 18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

होली के रंग : बुजुर्गों के रंग

मार्च का महीना बचपन से ही होली के महीने के रूप में माना जाता है और होली का त्योहार इसलिए भी विशेष होता है क्योंकि इसमें बहुत मस्ती और धमाल होती है। वैसे भी रंग हमारे जीवन की खुशहाली का प्रतीक होते हैं तो ये रंगों का त्योहार थोड़े समय के लिए ही सही कामकाज की परेशानी, चिंता सब को भुलाकर खुशियाँ बाँटने के लिए होता है......

तारा परिवार में हमारी कोशिश यह रहती है कि हमारे घर के बड़े बुजुर्ग (आनन्द वृद्धाश्रम के आवासी) भी हर त्योहार को उसी जोश और उल्लास से मनाएँ जैसा कि उन्होंने उनके बचपन और जवानी में मनाया होगा..... .मकसद सिर्फ एक ही है कि कहीं उन्हें उस पीड़ा का अहसास न हो जाए जिसके चलते उन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा......

तारा के ''श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम'' के अंकल–आंटियों के साथ होली के उपलक्ष्य में हमने बहुत मस्ती की जिसमें एक दूसरे को गुलाल लगाया, मिठाई खिलाई और कुछ गेम भी खेले, जो जीते उन्हें इनाम भी दिया..... वैसे इनाम तो बस खेल में रोमांच बना रहे उसके लिए थे, वरना हमारी हैसियत नहीं कि हम उन्हें कुछ दें जिनके पास वर्षों का तज़ुर्बा हो....

इस पूरे महौल में मुझे किन्ही भी अंकल आंटी के चेहरे पर यह सोच या बोझ नहीं दिखा कि वे अपने बच्चों से दूर उन लोगों के साथ होली जैसा त्योहार मना रहे हैं जो शाब्दिक अर्थ में देखा जाए तो पराए हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि जीवन एक ऐसी भूल भुलैया है जिसमें कौन अपना कब पराया हो जाए और कौन पराया कब अपना हो जाए बिलकुल पता नहीं चलता है। उन सबकी खुशी, नाचने – गाने मस्ती में जो जिंदादिली थी उसको शब्दों में बयाँ करना नामुमकिन है...

सबसे बड़ा सुकून यह है कि तारा में उन्हें उनके घर का अधिकार और सम्मान मिल रहा है ऐसा उनके ''श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम'' में निश्चित जीवन को देखकर लगता है...............एक सामान्य घर परिवार में होने वाला प्यार, अपनापन, छोटी–मोटी तकरार थोड़ी बहुत ईर्ष्या सभी रंग हमारे आंनद वृद्धाश्रम आवासियों में है और यही सब देखकर लगता है कि सब Normal है या All is well.....

बस एक बात थोड़ी सी तकलीफ होती है जब मन में विचार आता है कि क्या उनके बच्चे उन्हें होली पर Miss करते होंगे.....

कल्पना गोयल

सरल स्वभाव वाला सदा समाधान स्वरूप होगा।

Tara

तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. में एक दिन

सुबह 8 बजे तारा नेत्रालय, उदयपुर खुल जाता है एवं खुलते ही रोगियों की भारी आवाजाही प्रारम्भ हो जाती है। इनमें कई तरह के रोगी हैं। प्रथम वे जो पहली बार जाँच करवाने आए हैं वह ग्रामीण क्षेत्र अथवा स्थानीय शहरी भी हो सकते हैं। दूसरे वे स्थानीय जो अगले दिन मोतियाबिन्द ऑपरेशन की तैयारी हेतु बुलाए गए होते हैं। तीसरे वे स्थानीय जो सीधे उसी दिन होने वाले ऑपरेशन के लिए आते हैं।

अगर आप ओ.पी.डी. में जाएं तो पता चलेगा कि जो प्रथम बार आए हैं वह सर्वाधिक होते हैं एवं रिसेप्शन काउंटर पर अधिक वही लोग जानकारी प्राप्त करने हेतु इकट्ठे होते है। अब जो प्रथम बार जाँच के लिए आए है उनका रजिस्ट्रेशन फार्म भर कर क्रम में बिठाया जा रहा है। उधर जिनका नम्बर आ गया है उनको माइक पर पुकार कर ऑप्टोमिट्रिस्ट रूम में भेजा जा रहा है। जहाँ बारी–बारी से प्रत्येक रोगी के विजन की जाँच अत्याधुनिक मशीनों पर की जा रही है। जिनकी विजन टेस्ट हो चुका है उनको क्रम से डॉक्टर के पास भेजा जा रहा है जहाँ से तीन अवस्थाओं में होकर मरीज गुजरता है।

प्रथम : जिनको मामूली समस्या है उन्हें दवाइयाँ आदि लिखकर भेजा जा रहा है। दूसरा : पी.एम.टी. से चश्मे के नम्बर निकालकर उन्हें अगले दिन वास्तविक नम्बर देने के लिए आने की सलाह देकर भेजा जा रहा है। सुबह 10 बजे तक ओ.पी.डी. में भारी भीड़ जमा हो चुकी है अधिकाश रोगी ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगते हैं लेकिन शहरी भी काफी संख्या में हैं। लोग यत्र– तत्र–सर्वत्र आ जा रहें। कोई कोई जाँच हो चुकने के बाद अस्पताल से बाहर जा रहा है तो आवाजाही लगातार चल रही है। इधर जिन लोगों को प्रारम्भिक जाँच के बाद दवाई डाली गई थी उन्हें घंटा भर गुजर जाने के बाद पुनः डॉक्टर के पास भेजा जा रहा है। तो एक अन्य रूम में जिन लोगों के मोतियाबिन्द पाया गया है, उन लोगों की बी.पी., शुगर आदि की जाँच कर उन्हें ऑपरेशन की तारीख दी जा रही है। कुछ अन्य स्थानीय मरीज ऐसे भी हैं जिनका ऑपरेशन आज ही होना है, उनकी बी.पी. व शुगर की प्रीपेरेशन रूम में जाँच की जा रही है। अगर सब कुछ नार्मल पाया गया है तो उन्हें वार्ड में भर्ती कर ऑपरेशन कर दिया जाएगा। यह तीसरी अवस्था के मरीज हैं पहले जिन्हें मामूली समस्या थी, दूसरे जिनके नम्बर निकालने थे। अब एक अन्य समूह ऐसा भी है जिनका एक दिन पहले ऑपरेशन किया जा चुका है उनकी पट्टी इत्यादि खोल कर काले चश्मे पहनाए जा रहे हैं। साथ–ही–साथ छुट्टी के बाद किस प्रकार की सावधानियाँ बरतनी है उसकी काउंसलिंग की जा रही है। दवाइयाँ आदि देकर उनको 5 दिन व 1 महीने के बाद फॉलो–अप हेतु आने की सलाह दी गई है। इधर भीड़ में कुछ 5 दिन के व कुछ 1 महीने के फॉलो–अप वाले मरीज भी हैं जिन्हें प्रारम्भिक जाँच के बाद सीधे डॉक्टर सा. के पास भेजा जा रहा है। 1.30 से 2.00 बजे का लंच टाइम होने की वजह से मरीजों की एक रूम से दूसरे रूम की आवाजाही थम गई है। 2 बजे बाद डॉक्टर और स्टॉफ पुनः सक्रिय होकर पूर्ववत् प्रक्रियाएँ जारी रखे हुए है। धीर–धीरे ओ.पी.डी. की भीड़ कम होती जा रही है। 4 बजे तक अंतिम जाँच के पश्चात् लगभग सारा ओ.पी.डी. खाली हो चुका है। वहीं अचानक वार्ड से एक–एक करके छुट्टी पाए लोग बाहर जा रहे हैं। उधर बाहर क्या देखते हैं कि तारा संस्थान की एम्बुलेंस आकर रुकी है एवं ग्रामीणों का एक समूह नीचे उतरकर अस्पताल में प्रवेश कर रहा है। ये वे मरीज हैं जो आस–पास के शिविरों से चयनित कर अगले दिन ऑपरेशन के लिए लाकर भर्ती किए जा रहे हैं। इस प्रकार तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. का एक और व्यस्त दिन समाप्त हुआ। लेकिन व्यस्तता में ही तो मस्ती है ऐसा हमारे सारे हॉस्पीटल स्टाफ और डॉक्टर सा. सोचते हैं तभी तो बिना टेंशन हंसते मुस्कराते ये सभी उन लोगों की आँखों में रोशनी ला रहे जिनके लिए ये जीवन अंधकारमय हो जाता तो भी सिर्फ इसलिए कि थोड़े पैसों की कभी थी और हाँ ये पैसा आपने भेज दिया।

दीपेश मित्तल

देशभर में तारा नेत्रालय

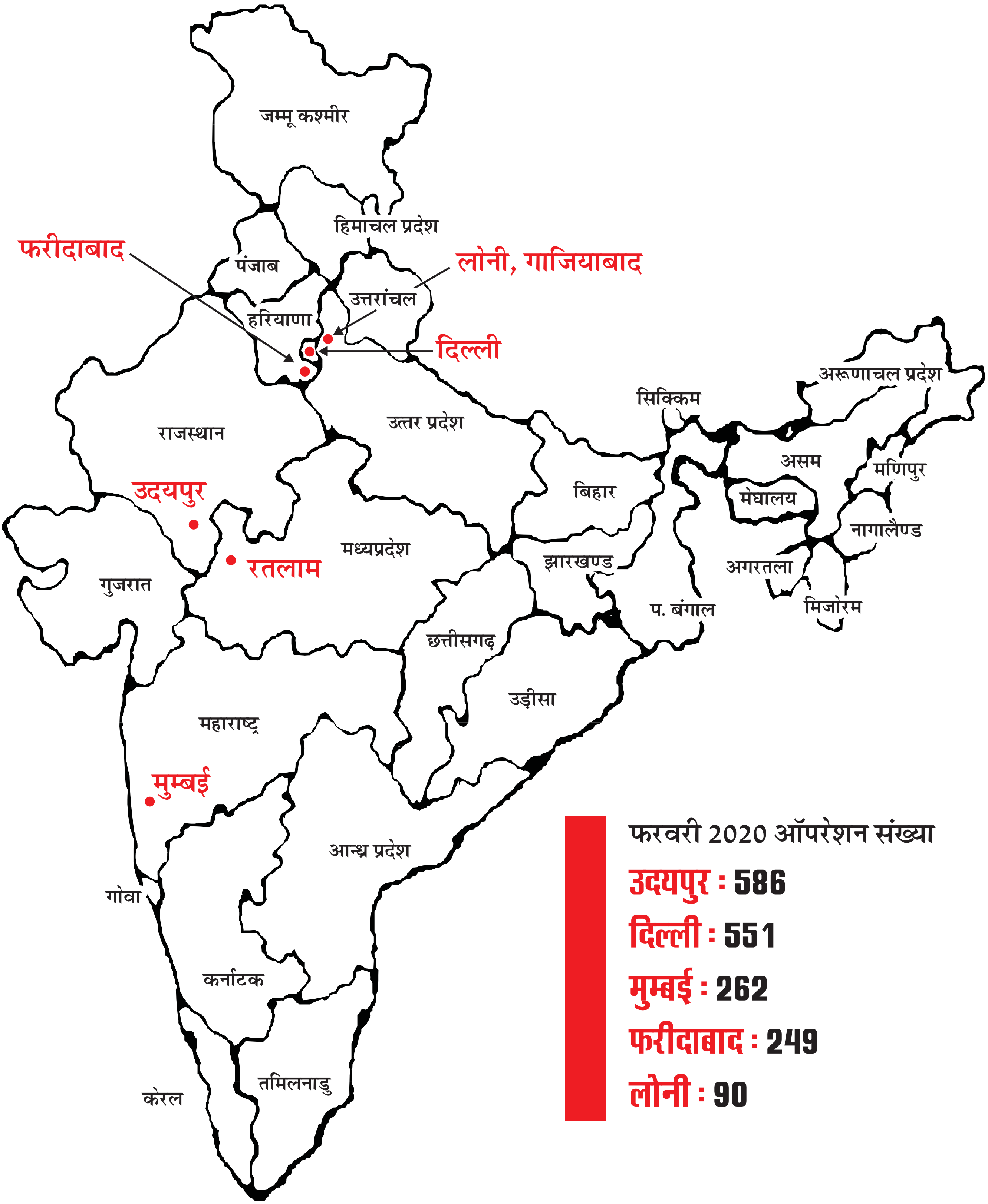

फरवरी 2020 ऑपरेशन संख्या

उदयपुर : 586

दिल्ली : 551

मुम्बई : 262

फरीदाबाद : 249

लोनी : 90

सबके प्रति कल्याण की भावना रखो।

तारा नेत्रालयों में ऑपरेशन का मौसम - 1

वैसे तो तारा नेत्रालयों में सर्दी के शुरूआत में ही मरीजों की भीड़ बढ़ती जाती है कारण यह है कि ज्यादातर मरीज इस मौसम में ऑपरेशन करवाना सुरक्षित समझते हैं यह एक पुरानी मानसिकता की सोच है कि इस मौसम में संक्रमण का खतरा कम हो जाता है लेकिन तारा आधुनिकतम मशीनों से लैस है तो ऐसी कोई बात से फर्क नहीं पड़ता है कि ऑपरेशन सर्दी में हो अथवा गर्मी में। फिर भी, ग्रामीण लोगों को सर्दी का मौसम ही ज्यादा पसंद है। अतएव इस मौसम तारा नेत्रालयों में मरीजों का ताता लगा रहता है। अल सुबह 8.00 बजे से ही आस–पास के विशेषकर ग्रामीण मरीजों की आवाजाही प्रारम्भ हो जाती है जो अस्पताल बंद होने तक बदस्तुर रहती है। हालांकि तारा नेत्रालय की व्यवस्था दुरुस्त होने के कारण किसी को कोई परेशानी का सामना नहीं पड़ता है एवं सबको उनकी बारी के अनुसार निदान कर भेज दिया जाता है। बहरहाल, ऑपरेशन के मौसम की बात करें तो विगत माह यानि फरवरी में तो मरीजों की संख्या अप्रत्याशित रही है। पूरे अस्पताल में मरीजों व उनके परिचारिकों की रेलमपेल जारी रही। यहाँ तक ऑपरेशन हेतु अतिरिक्त चिकित्सक भी बुलाए गए ताकि सबका सुचारू रूप से ईलाज किया जा सके।

हमने इस तारांशु के अंक का इसी कारण ''ऑपरेशन का मौसम'' नाम दिया है और हमने इसी बात पर जोर दिया है कि अत्यधिक संख्या में मरीजों के आगमन के बावजूद भी तारा नेत्रालय किस प्रकार व्यवस्थित रूप से संचालित किए जाते हैं।

हमारे पाठकों को विदित होगा कि तारा संस्थान तारा नेत्रालयों के नाम देश के छः शहरों – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद, रतलाम व लोनी में नेत्र अस्पताल चलाते हैं। ये नेत्रालय सामान्य नेत्र जाँच एवं निदान तथा मोतियाबिन्द जाँच एवं ऑपरेशन की प्रकिया हेतु आधुनिकतम मशीनों, उपकरणों एवं प्रशिक्षित नेत्र विशेषज्ञों एवं मेडिकल स्टाफ से सुसज्जित है।

इन चारों नेत्रालयों में गरीब व जरूरतमंद मरीजों का पूर्णतः निःशुल्क उपचार होता है जिसमें हजारों रोगी प्रतिदिन लाभान्वित होते हैं। तारा नेत्रालयों द्वारा न सिर्फ स्थानीय ओ.पी.डी., जाँच एवं निदान होता है बल्कि दूरदराज व गरीब–आदिवासी क्षेत्रों में समय–समय पर ''नेत्र जाँच एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर'' आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों को सुनियोजित प्रकार से आयोजित किया जाता है। ये शिविर दान सहयोग राशियों पर आधारित है।

तो आइए, ऑपरेशन का मौसम तारा नेत्रालयों में किस प्रकार से मैनेज किया जाता उसे अगले पृष्ठों पर फोटो स्टोरी के माध्यम से समझते हैं:

ओ.पी.डी. में अपनी बारी का इंतजार करते मरीज

तारा नेत्रालयों में ऑपरेशन का मौसम - 2

अति व्यस्त ओप्टोमीट्री रूम

डाईलेशन हेतु दवाई डालते हुए

परीक्षायें ही परिपक्व करने का आधार है।

तारा नेत्रालयों में ऑपरेशन का मौसम - 3

ऑपरेशन होते हुए एक दृश्य

ऑपरेशन पश्चात् भर्ती से छुट्टी होकर घर लौटते मरीज

श्री माणक जी : जिन्होंने मेरा भला किया उनका भला ही भला हो

लगभग 60 वर्षीय माणक जी मजदूरी का कार्य करते हैं। उनका एक दिव्यांग पुत्र पढ़ाई करता है। माणक जी को कुछ महीनों से बिलकुल कम दिखाई देने लगा था। मजदूर माणक जी के पास प्राइवेट अस्पतालों में ईलाज हेतु पैसा नहीं था पर इनके गाँव के एक परिचित ने उन्हें तारा नेत्रालय, उदयपुर में मुफ्त में ईलाज के बारे में बताया क्योंकि उसने स्वयं भी यहीं करवाया था तो माणक जी तारा नेत्रालय जाँच करवाने आए। जाँच में मोतियाबिन्द पाए जाने पर उनको ऑपरेशन हेतु भर्ती कर बाई आँख में ऑपरेशन कर दिया गया। ऑपरेशन पश्चात् माणक जी ने हमें बताया कि अब उन्हें स्पष्ट दिखाई दे रहा है एवं यहाँ किसी प्रकार की समस्या नहीं आई। खाने–पीने, जाँच दवाइयाँ व ऑपरेशन सब मुफ्त में हो गया। किसी प्रकार का खर्चा स्वयं का नहीं हुआ। श्री माणक जी तारा संस्थान के दानदाताओं की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहते हैं: ''जिन्होंने ने मेरा भला किया उनका भला ही भला हो''।

श्रीमती जमना जी : आप लोग खूब कमाए और अन्य लोगों का भी इसी तरह से भला करें।

60 वर्षीय जमुना जी मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का पालन पोषण करती हैं। उसके एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। पुत्र भी मजदूरी करता है। उनके पति की मृत्यु 8 वर्ष पूर्व बीमारी से हो गई थी परिवार काफी गरीब है ऊपर से जमुना जी को लगभग 1 साल से दाई आँख में कम दिखना शुरू हो गया था। अब स्थिति यह है कि उन्हें लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। वह कहीं अन्य जाँच भी ना करवा पाई जब कि समस्या बहुत ज्यादा बढ़ गई थी और इस वजह से वह काम पर भी नहीं जा सकती थी। तो बेचारी क्या करती, लेकिन किसी ने उन्हें तारा संस्थान के तारा नेत्रालय में जाने की सलाह दी। हालांकि उनके पुत्र ने कहा की उसकी आँख स्वयं ही ठीक हो जाएगी लेकिन जमुना जी ने तारा नेत्रालय मैं जाना उचित समझा और यहां आकर जाँच करवाई तो पता चला कि उनकी बाईं आँख में मोतियाबिंद हो गया है तो डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत ऑपरेशन कराने की सलाह दी। जमुना जी ने तुरंत भर्ती होकर ऑपरेशन की सहमति दे दी। अगले दिन उनका सफल ऑपरेशन हो गया। वह ऑपरेशन के पश्चात् अति प्रसन्न है कहती है कि अब बहुत अच्छा दिखाई देने लगा है। तारा नेत्रालय में उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई, सब कुछ मुफ्त में हो गया, एक भी पैसा जेब से खर्च नहीं हुआ। तारा संस्थान के दानदाताओं को धन्यवाद देते हुए जमुना जी कहती हैं कि मेरा और ऊपर वाले का आशीर्वाद आप सब लोगों के साथ है। आप लोग खूब कमाए और अन्य लोगों का भी इसी तरह से भला करें।

श्री मोहन जी : भगवान उनको खूब तरक्की देवें, धन्यवाद!

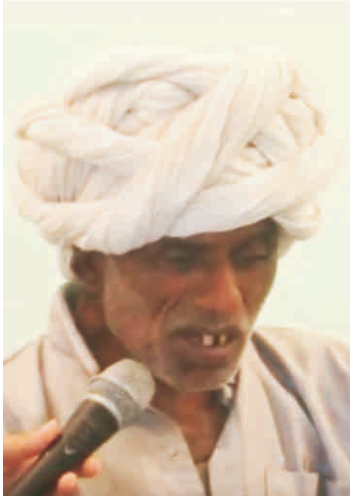

60 वर्षीय श्री मोहन जी खेतिहर मजदूर हैं, उनके एक पुत्र और दो पुत्रियां और पत्नी सहित परिवार है। पुत्र स्वयं मजदूरी करने जाता है। यह एक गरीब परिवार है और जैसे तैसे अपना जीवन यापन करते हैं। मोहन जी को लगभग पिछले 12 महीने से एक आँख में कम दिखाई देना शुरू हुआ, धीरे–धीरे परेशानी बढ़ती गई और स्थिति यह हो गई कि उन्हें नहीं के बराबर दिखाई देने लगा। समस्या बढ़ गई तो काम कैसे करें, इधर–उधर पूछा कि क्या किया जाए। आँख का इलाज कहां से करवाया जाए उन्हें कुछ पता नहीं था लेकिन फिर धीरे–धीरे बातों बातों में लोगों से तारा नेत्रालय की बात जुबान पर आई। लोगों ने कहा कि यह एक ऐसा अस्पताल है जहां पूर्णतया निशुल्क आँखों का इलाज होता है तो मोहन जी जांच कराने हेतु तारा संस्थान चले आए। यहां तारा नेत्रालय में उनकी जांच पर मोतियाबिंद होने की रिपोर्ट आई तो डॉक्टर ने उन्हें ऑपरेशन करवाने की सलाह दी। मोहन जी ने तुरंत हामी भर दी और वह तारा नेत्रालय में भर्ती हो गए। अगले दिन उनकी आँख का ऑपरेशन किया गया और वह सफल हो हुआ तो मोहन जी बड़े प्रसन्न होकर कहने लगे कि उन्हें तो अब स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने तो सोचा भी नहीं कि कोई ऐसा अस्पताल भी हो सकता है जहाँ जाँच ऑपरेशन, दवाइयाँ, वार्ड में भर्ती, खाना पीना सब कुछ मुफ्त भी हो सकता है। वह अब खुश हो अपने काम पर जायेंगे। मोहन जी कहते हैं कि हम उन दानदाताओं को भगवान समझते हैं जिनकी मदद से मेरा मुफ्त ऑपरेशन हुआ है भगवान उनको खूब तरक्की देवें, धन्यवाद।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

इस मन को मेहमान बना दो तो महान बन जायेंगे।

जीवन रुकता नहीं फिर हम क्यों रुके - तारा संस्थान की नयी पहल

जीवन अनवरत है हर श्वास हमें जीवन शक्ति देती है हमें चलाये रखती है। वैज्ञानिक अनुमान के अनुसार एक व्यक्ति लगभग 16 श्वास हर मिनट के हिसाब से 80 वर्ष का आयु ले तो 67 करोड़ सांस लेता है । बालपन से गृहस्थ, गृहस्थ से वानप्रस्थ और वानप्रस्थ से संन्यास द्वारा हर एक व्यक्ति निरंतर चलता रहता है। हर एक अवस्था के अपने फायदे नुकसान हैं। परन्तु, कभी–कभी परिस्थितियों की वजह से हम सिर्फ समय निकालने लगते हैं ।

जीवन कैसा है, जो जैसा देखे वैसा है। एक योद्धा के लिए युद्ध, नकारात्मक व्यक्ति के लिए दुःख और सकारात्मक व्यक्ति के लिए परमात्मा द्वारा दिया गया अमूल्य अवसर है। सभी व्यक्ति इस अवसर का लाभ उठा अपनी प्रगति कर सकते हैं। मनुष्य जब अच्छे समय में हो तो उसे सिर्फ फायदा दिखाई देता है जैसे ही उसका समय ठीक ना हो तो जीवन अन्धकारमय दिखाई देता है। जीवन की उक्ति जीवन जैसा है उसे वैसे ही देखने मैं है।

और अगर समय और जीवन नहीं रुक रहा तो हम क्यों रुकें, इसी सोच के साथ सुखिन कंसल्टेंसी के मनोज कुमावत ने संस्थान के प्रमुख श्रीमती कल्पना जी और श्रीमान दीपेश जी के समक्ष इस विषय पर कार्यशाला तथा एक्टिविटी सेंटर का प्रस्ताव रखा। उज्ज्वल और बेहतर भविष्य की सोच रखने वाले संस्थान प्रधान ने सभी आश्रमवासियों के लिए प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की और सारे संसाधन उपलब्ध कराए।

नव वर्ष के साथ ही जनवरी माह में पाँच कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य आश्रमवासियों से चर्चा और उनके जीवन अनुभव द्वारा नयी दिशा देना है।

इन कार्यशालाओं में निम्न गतिविधियां हुई–

पहली कार्यशाला – जीवन अनुभव तथा उनसे सीख : हर अनुभव व्यक्ति के जीवन को नया दृष्टिकोण देता है, हर अनुभव के साथ हम बेहतर बन सकते हैं। अपने जीवन में अनुभवों द्वारा सीखे गए कुछ मुख्य बिंदुओं को इस कार्यशाला द्वारा रेखांकित किया गया।

दूसरी कार्यशाला – जीवन अनुभवों को नयी पीढ़ी के लिए क्रमबद्ध करना : हम आज जो भी हैं अपने पूर्वजों के कर्म फलस्वरूप हैं। भारतीय संस्कृति में अनुभवी व्यक्ति के ज्ञान को सर्वोपरि बताया गया है। पर वह ज्ञान ही क्या जो अगली पीढ़ी तक ना जा सके। इसी सोच को केंद्र में रखते हुए दूसरी कार्यशाला में जीवन अनुभवों को नयी पीढ़ी के लिए पांच अलग अलग श्रेणियों (शारीरिक, मानसिक, सम्बन्ध, पैसा और लेनदेन व्यवहार) में विभाजित किया गया।

तीसरी कार्यशाला – देखकर सीखना, सीखकर लिखना और लिखकर आत्मसात करना ही तत्कालीन शिक्षा का मूल है : परन्तु जीवन हमें इस तरह नहीं सिखाता, जीवन में परीक्षा पहले होती है और सीख बाद में। जीवन के बारे में कुछ ऐसी ज्ञानप्रद एनिमेटेड वीडिओज़ को अपने शब्दों और दृष्टिकोण से बताने हेतु तीसरी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

चौथी कार्यशाला – एक चित्र अपने में हज़ारों शब्दों को समेटे हुए होता है : अपनी भावनाओं को चित्रों में व्यक्त करने की अभिलाषा हम सभी को बचपन में अधिक होती है परन्तु समय के साथ में प्रतिभा ख़त्म होने लगती है। इसी सुषुप्त प्रतिभा को व्यक्त करने हेतु चौथी कार्यशाला को रखा गया जिसके माध्यम से आश्रमवासियों ने अपनी–अपनी रुचि के अनुसार चित्र बनायें।

पाँचवीं कायर्शाला – अपने अनुभव को चिंतन मनन के द्वारा ठोस करने हेतु तथा अलग अलग कार्यशालाओं में हुए अनुभवों को साझा करने हेतु पाँचवीं कार्यशाला का आयोजन किया गया। आश्रमवासियों ने संस्थान द्वारा कराई गई कार्यशालाओं की सराहना करते हुए भविष्य में भी अपने आपको सक्रिय रखने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

इन पाँचों कार्यशालाओं के बाद आश्रम में चार अलग अलग 'एक्टिविटी सेंटर' बनाये जाएंगे जिससे आश्रमवासी अपनी रुचि के हिसाब से अलग अलग विधाओं में सक्रिय रख सकेंगे। तारांशु के आने वाले संस्करणों में आप इन एक्टिविटी सेंटरों के बारे में और जानेंगे।

अंतिम कार्यशाला में, कार्यशाला के संचालक ने अपने जीवन के एक अनुभव को साझा करते हुए एक वयोवृद्ध इस्त्रीवाले(प्रेससवाले) का संस्मरण बताया। करीबन 10 साल पहले एक वयोवृद्ध इस्त्रीवाले से जो की अपने 91वें वर्ष में थे, उनसे उनकी सक्रियता और ऊर्जा के स्रोत के बारे में पूछा गया कि 'आप अभी भी कैसे काम कर रहे हैं?' उन्होंने बड़े ही आसान शब्दों में कहा कि 'मैं कभी रुका नहीं तो चलता रहा'।

परमात्मा हम सभी को इसी प्रकार अनवरत चलने की और अपने प्रियजनों, समाज की सेवा करने की शक्ति दे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	3500 रु. (एक समय)

तीन वृद्धाश्रम : तीन आवासियों की कहानियाँ

तारा संस्थान, उदयपुर के तीनों वृद्धाश्रम श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद आश्रम, उदयपुर, ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम, फरीदाबाद एवं श्री रवीन्द्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम, प्रयागराज ऐसे बुजुर्गों के लिए बनाए गए हैं जो निस्सहाय, उपेक्षित अथवा साधन हीन है । यहां पर 60 वर्ष के ऊपर से के कोई भी वृद्ध प्रवेश ले सकते हैं । आनंद वृद्धाश्रम में रहने वाले समस्त बुजुर्गों का रहना खाना पीना एवं चिकित्सा आदि पूर्णत निःशुल्क होता है । यहां पर इनकी खेलकूद मनोरंजन व त्योहार मनाने की सारी व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त इन बुजुर्गों को समय–समय पर भ्रमण आदि के लिए भी ले जाया जाता है। आइए, आज हम इन तीनों वृद्ध आश्रम की तीन अलग–अलग इंटरव्यू के रूप में कहानियां पढ़ते हैं:

पहला इंटरव्यू कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर निवासी श्रीमती शालिनी मिश्रा:

साक्षात्कारकर्त्ता : आपको यहाँ आकर कैसा लग रहा है अभी?

श्रीमती मिश्रा : यहाँ तो बहुत बढ़िया है भाई। दो टाइम की रोटी, चाय–पानी, सोना, नहाना धोना सब कुछ बहुत अच्छा है।

साक्षात्कारकर्त्ता : सब अच्छा है।

श्रीमती मिश्रा : सब बहुत अच्छा है, बहुत बढ़िया है भाई साहब, बहुत पुण्य का काम कर रहे हैं आप।

साक्षात्कारकर्त्ता : एक यहाँ पर जो अच्छी बात है कि यहाँ पर बहुत सारे लोगों से बातचीत कर सकते हैं आप, अपने जैसे लोगों से बात करते हैं क्या आप?

श्रीमती मिश्रा : हाँ हाँ करती हूँ। आते–जाते चलते–फिरते, लेकिन लड़ते झगड़ते नहीं हैं। अदब देना और अदब लेना, यही मैंने सीखा है अपनी लाइफ में।

कहानी 2: ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम फरीदाबाद: श्री सुच्चा सिंह

साक्षात्कारकर्त्ता : अंकल आपकी फैमिली में कौन–कौन हैं?

सुच्चा सिंह : पत्नी, एक बेटा और बेटी है।

साक्षात्कारकर्त्ता : दोनों बच्चे शादीशुदा हैं?

सुच्चा सिंह : हाँ दोनों की शादी हो गई है।

साक्षात्कारकर्त्ता : आप क्या करते थे?

सुच्चा सिंह : पहले मैं प्राइवेट जॉब करता था, फिर आर्थिक स्थिति कुछ कमजोर हो गई तो मैं बाहर काम करने चला गया।

साक्षात्कारकर्त्ता : तो आपकी धर्मपत्नी?

वह तो हाउसवाइफ थी, बच्चों का ध्यान रखती थी, घर की कंडीशन तो ठीक ही थी पर कहने का मतलब है सोचते कुछ है और होता कुछ और है।

साक्षात्कारकर्त्ता : यहां आकर कैसा लग रहा है अब आपको?

सुच्चा सिंह : बहुत खुश हूँ। बहुत पीसफुल हूँ। यह संस्था बुजुर्ग लोगों के लिए बहुत कुछ करती है, दानदाताओं के सहयोग से। अति अति धन्यवाद।

कहानी 3: श्री रवीन्द्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम: श्री राम शंकर सिंह जी

साक्षात्कारकर्त्ता : आप यहां कैसे हैं, किस प्रकार से आए?

श्री सिंह : रिटायरमेंट के बाद जब घर में गाड़ी पटरी पर नहीं चली तो मैं बाहर निकल गया। अनेक शहरों में पुजारी के रूप में काम किया, अनेक वर्षों तक, फिर जब स्वास्थ्य में साथ छोड़ दिया तो लड़कों से बात की, उन्होंने मदद की, फिर उनके साथ रहने लगे। कुछ समय बाद, धीरे–धीरे लड़कों ने कहा की अब हमारे पास समय कम है तो आप इलाहाबाद यानी प्रयागराज में जो तारा संस्थान का वृद्धाश्रम है, वहां चले जाएं। हमने कहा ठीक है। और इस प्रकार हम रवीन्द्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम में चले चले आए।

साक्षात्कारकर्त्ता : किसी प्रकार की कोई परेशानी तो नहीं अब आपको?

श्री सिंह : कोई परेशानी नहीं है यहां, दानदाताओं के सहयोग से और भगवान के आशीर्वाद से हमें यहां सब कुछ मिल रहा है और हम बड़े आनंद से आनंद वृद्धाश्रम में अपना बुढ़ापा काट रहे हैं।

गौरी योजना :

मंजू कुंवर : दानदाताओं के सहयोग से उसके जीवन को थोड़ा सुधारा है

मंजु कुमार के पति की कोई 20 वर्ष पहले एक्सीडेंट में मृत्यु गई थी। वह अपने पान की कैबिन में बैठे थे और एक ट्रोले ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इस प्रकार मंजु कुंवर बहुत कम उम्र में विधवा होकर बड़ी मुसीबत में पड़ गई। माता–पिता तो थे नहीं उनकी मृत्यु हो चुकी थी तो उसको अपने तीन साल के पुत्र, दो भाई और बहन पोषण की जिम्मेदारी आ पड़ी। बड़ी मुश्किल से जैसे–तैसे भाइयों और पुत्र को बड़ा किया। बाद में पुत्री की अकाल असमय मृत्यु भी हो गई थी लेकिन अब भाई बड़े हो चुके हैं। पुत्र भी बड़ा हो गया है तो जीवन जैसे तैसे पटरी पर चल रहा है। एक समय ऐसा था जब खाना तो दूर उन्हें चाय तक नसीब नहीं होती थी। मंजु कहती है कि ऐसा दिन भगवान किसी को ना दिखाएं। विशेषकर उसके पुत्र को तो नहीं, उसने वैसे ही बहुत बुरी स्थिति देख ली है। अब दोनों भाई बड़े हो गए हैं तो जैसे तैसे कमा खा रहे हैं सो जीवन एक प्रकार से ठीक है। फिर भी, पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। तारा संस्थान ने अपनी गौरी योजना के अंतर्गत मंजु कुंवर को विधवा पेंशन के रूप मे रु. 1000 मासिक देना प्रारंभ कर रखा है जिससे कम–से–कम उनके घर खर्च का सहारा तो हो जाए। मंजू कहती है कि यह मेरे लिए बहुत बड़ी सहायता है, इसके लिए बहुत–बहुत धन्यवाद देती हूँ। वह तारा संस्थान की दिल से आभारी है कि उन्होंने दानदाताओं के सहयोग से उसके जीवन को थोड़ा सुधारा है।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

वखत कुंवर : दानदाताओं का भला होवे

70 वर्षीय वखत कुंवर अकेली रहती हुई एक बुजुर्ग है। उनके पति की 20 वर्ष पहले बीमारी से मृत्यु हो गई थी। एक पुत्र है जो अहमदाबाद में ड्राइवर की नौकरी करता है लेकिन उससे मिले हुए भी कोई 2 साल हो गए हैं। 2 साल पहले मिलने आया था उसके बाद अभी तक नहीं आया है। एक पुत्री थी जिसकी एक बेटी भी थी लेकिन पुत्री की असामाजिक मृत्यु हो गई तो इन्होंने ही पोती को पाल कर बड़ा किया और उसकी शादी करवाई। इधर उनके पुत्र वधू की भी मृत्यु हो गई। इस समय निपट अकेली अपनी झोपड़ी में रहती है। इस उमर में अब कोई काम भी नहीं कर पाती हैं। इधर–उधर से कहीं सहायता मिल जाती है कभी रिश्तेदारों से, कभी देवर से खाने पीने के सामान का जुगाड़ हो जाता है लेकिन बड़ी मुश्किल से। जीवन में रिश्ते की अहमियत बहुत है लेकिन उनमें प्रेम होना आवश्यक है। कैसी भी परिस्थिति हो तो वो एक डोर में बंधे रहते हैं लेकिन जब किसी बात पर टकराव हो जाए तो विघटन हो जाता है। कैसी भी परिस्थितियां क्यों ना हो बच्चों को अपने माता–पिता का ख्याल रखना चाहिए। हर समय नहीं तो कम–से–कम जरूरत के समय को साथ देना ही होना चाहिए। पति की मृत्यु के बाद वखत कुंवर की स्थिति बहुत बिगड़ गई थी। पहले तो जैसे–तैसे की काम करके गुजारा किया लेकिन जीवन में वह निपट अकेली हो गई। पुत्र को तो कम–से–कम समय पर मिलने आना चाहिए लेकिन क्या करें? अब अकेले अकेले जीवन जैसे–तैसे गुजारना पड़ रहा है। पति की याद आती है तो बहुत दुख होता है लेकिन जीवन तो ऐसे ही चलता रहता है इस समय वखत कुंवर की सबसे बड़ी समस्या खाने पीने के सामान की है ऐसी स्थिति को देखते हुए तारा संस्थान ने उन्हें मासिक राशन एवं रु. 300 गौरी योजना के माध्यम से देना शुरू किया है जिससे कम–से–कम इस वृद्धा को भोजन की समस्या का सामना तो ना करना पड़े। वखत कुंवर कहती है कि यह आपकी बहुत बड़ी मदद है वह सब दानदाताओं का भला चाहती है उनके बच्चे अच्छे से 100 वर्ष तक जिएं, ऐसी दुआ देती है।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

30.01.2020

तारा संस्थान में बसंत पंचमी उत्सव दृश्य

01.02.2020

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा आर्य समाज मंदिर, रेलवे रोड, शकूर बस्ती, दिल्ली 34 में एक स्नेह मिलन – सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

02.02.2020

रेलवे स्टेशन कम्पाउण्ड, मुहीउद्दीनपुर, मेरठ में तारा संस्थान, उदयपुर (राज.) व रोटरी क्लब गाजियाबाद ग्रेटर, हिन्डन एवं मेरठ स्टार के संयुक्त तत्त्वावधान में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन व जाँच शिविर आयोजित हुआ है। इसमें साथ ही कैंसर संस्थान, बागपत रोड, मेरठ ने भी एक मेडिकल शिविर किया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर.आई. डायरेक्टर श्री भरत पण्ड्या एवं के.एम.सी. चेयरमैन डॉ. सुनील गुप्ता रहे। साथ रोटरी क्लब के सभी गण्यमान्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। आँखों की जाँच व साथ ही कैंसर का, पेट, गुर्दा, दांत हड्डी निदान किया गया है। शिविर में 2000 मरीजों की ओ.पी.डी. हुई है तथा दवाइयाँ वितरित की गईं। मंच का संचालन रोटेरियन व तारा संस्थान दानदाता श्री सुभाष गुप्ता द्वारा किया गया।

10.02.2020

लंदन, ब्रेडफोर्ड के आनन्द मिलान सेंटर से आये श्री भगवान लाल मिस्त्री जी, उनकी धर्म पत्नी और उनके साले जी ने तारा संस्थान संचालित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर का दौरा किया।

13.02.2020

झुग्गी झोपड़ी के बच्चों हेतु शिक्षा
सहयोग प्रति बालक रु. 12000/- प्रतिवर्ष

तारा संस्थान की एक दानदाता टीना जी ने अपना जन्मदिवस मस्ती की पाठशाला के बच्चों के साथ मनाया।

राग द्वेष के बदले वैराग की भावना रखो।

15.02.2020

तारा संस्थान के दानदाता मुंबई निवासी श्री दिनेशजी कोठारी ने अपना 75वां जन्मदिवस सपरिवार श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच केक काटकर मनाया। बुजुर्गों का भोजन भी उन्होंने ही स्पॉन्सर किया तत्पश्चात् डांडिया कार्यक्रम हुआ। इससे पूर्व आपकी तरफ से तारा नेत्रालय, उदयपुर में भी एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

16.02.2020

गुलजारी मल दिगम्बर जैन धर्मशाला, कानपुर (उ.प्र.) में श्री सुरेश चन्द्र जैन एवं श्री अनुराग जैन के सौजन्य से विशाल निःशुल्क परीक्षण व ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया।

23.02.2020

मुंबई में एक वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मां भारती गुजराती फाउंडेशन ट्रस्ट, दहिसर मुंबई व तारा संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में रिद्धि सिद्धि सोसाइटी आनंद नगर, दहिसर (ईस्ट) में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में ट्रस्ट के सदस्यों ने भाग लिया जिसमें तारा संस्थान द्वारा ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्यों का सत्कार एवं सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम तारा संस्थान के दानदाता व प्रेरक श्री एस. एन. शर्मा जी, मुम्बई का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

23.02.2020

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा कोटा, राजस्थान में स्नेह मिलन, सम्मान समारोह रखा गया जिसमें करीबन 80 अतिथि कोटा के आए और साथ ही वहाँ के वरिष्ठ महानुभाव श्री जगदीश प्रसाद जी गुप्ता का वृद्धजन सम्मान भी किया गया जिनके साथ उनकी पत्नी और उनके भाई और उनके भाई की पत्नी और उनके समाज के लगभग 15 लोग उपस्थित रहे। प्रोग्राम में कोटा के श्री महेंद्र कुमार जी गुप्ता (तारा संस्थान के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में तारा संस्थान से दिनेश सिसोदिया, दर्पणा पालीवाल और निर्मला कच्छावा ने संचालन सहयोग किया।

23.02.2020

तारा संस्थान के दानदाता समासेवी श्री कपिल देव जी शर्मा, निवासी दिल्ली के सौजन्य से अपने शादी की वर्षगाँठ पर मोतियाबिन्द ऑपरेशन जाँच शिविर का आयोजन करवाया।

दृढ़ संकल्प करो कि मुझे उदास नहीं होना है।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

PHACO MACHINE

इस मशीन द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन अन्य विधियों क मुकाबले सुक्ष्म छेद द्वारा की जाती है।

रु. 14,50,000/-

(चौदह लाख पचास हजार रु.)

घोषणा - पत्र

फार्म – 4 (देखिये नियम – 8) (तारांशु के संबंध में स्वामित्व का विवरण और अन्य विशिष्टियां)

प्रकाशन का स्थान : 240 ए, हिरण मगरी, सेक्टर 6, उदयपुर
प्रकाशन की नियत कालिका : मासिक
मुद्रक का नाम : श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश)
प्रकाशक का नाम : श्रीमती कल्पना गोयल
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : 240 ए, सेक्टर – 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
सम्पादक का नाम : श्रीमती कल्पना गोयल
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : 240 ए, सेक्टर – 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
नाम व पता उन व्यक्तियों का जो समाचार पत्र का स्वामित्व रखते हैं और उनका जो कुल पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक हिस्से के अंशधारी या साझेदार हैं। : श्रीमती कल्पना गोयल, पूर्ण स्वामित्व, 240 ए, सेक्टर 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.), क्र.सं. 3 व 4 के अनुसार मैं श्रीमती कल्पना गोयल एतद्द्वारा घोषणा करती हूँ कि उपर्युक्त दी गई विशिष्टियाँ मेरी अधिकतम जानकारी में एवं विश्वास से सत्य हैं।
दिनांक : 01.03.2020

कल्पना गोयल, प्रकाशक के हस्ताक्षर

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्कैन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में ....
संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश/चैक/डी.डी. नम्बर ....
दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।
मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....
निवास पता ....
लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....
फोन नम्बर घर/ ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....
तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान-सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

जो सदा सन्तुष्ट है वही सदा हर्षित एवं आकर्षण मूर्त्त है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह फरवरी - 2020 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय - उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री बालाजी टेंट हाऊस (प्रो. परमेश्वर लाल जांगिड़) - सीकर (राज.), कोठारी परिवार - मुम्बई श्री रंगलाल कालूलाल डागलिया - नाथद्वारा (राज.), श्री संतोष कुमार राज जैन - खारघर (महा.), डॉ. राज सूद - नागपुर, श्री शांतिलाल सरजू बाई जैन - हैदराबाद, डॉ. टी.पी. मिश्रा - कानपुर (उ.प्र.), श्री मुकुन्द लाल अग्रवाल - हैदराबाद, श्री सी.पी. चड्डा - दिल्ली, श्री गोपाल कृष्ण मंदिर एवं श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट - मुम्बई, श्री संतोष कुमार जैन, श्रीमती राज जैन एवं श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री पृथ्वी सिंह जोधा - मुम्बई

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस - दिल्ली, वर्धमान प्लाजा - दिल्ली, श्री आदाराम धुलाजी भाटिया पुत्र श्री मुकेश कुमार, श्री भरत कुमार - झाडोली, सीकर (राज.), श्री सुरेश चन्द्र जैन एवं श्री अनुराग जैन - कानपुर, ब्रह्ममान सभा बल्लभगढ़ (रजि.) - फरीदाबाद, श्री तेजराम सैनी, भूपसिंह सैनी, प्रेमसिंह सैनी, पहलवान कुलदीप सिंह लाकड़ा - दिल्ली, रोटरी क्लब ऑफ दिलली शाहदरा - दिल्ली, श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन - दिल्ली, श्री कपिल देव शर्मा - दिल्ली, श्री सी.आर. सैनी - दिल्ली, श्री राम किशन बंशी लाल राठी - मुम्बई श्री श्याम सुन्दर जी अग्रवाल - मुम्बई, हेल्पिंग हैण्ड्स प्रयास एडोरे फाउण्डेशन - फरीदाबाद, श्रीमती इच्छाबिन्दु सेवा केन्द्र - विले पार्ले, मुम्बई एवं पदमावती चैरिटेबल ट्रस्ट - भावनगर,

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

एबीलिटीज इंडिया पिस्टन्स एंड रिंग्स लि. जी. टी. रोड़, ज्ञानी बार्डर, पो. चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया :

कुल 27 शिविर (देशभर में)

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री गया प्रसाद जी धानुका, मुम्बई

श्री गया प्रसाद जी धानुका का जन्म फतेहपुर शेखावटी, सीकर राजस्थान में 8 अप्रैल, 1938 को हुआ। पिता श्री लक्ष्मीनारायण जी एवं माता श्रीमती गोदावरी देवी जी धानुका थे। माता–पिता के सान्निध्य में आपकी शिक्षा दीक्षा पूर्ण हुई। श्री धानुका जी बृज विकास ट्रस्ट, फतेहपुर नागरिक संघ, मुम्बई अग्रवाल सेवा समिति बांगुर नगर के सक्रिय ट्रस्टी थे और राजस्थानी सम्मेलन के आजीवन सदस्य थे। आप नारायण सेवा संस्थान, तारा संस्थान, उदयपुर के अन्तर्गत फतेहपुर में आई कैम्प लगाते रहे हैं जिसमें मुफ्त नेत्र चिकित्सा सेवा प्रदान की जाती है। समस्त तारा संस्थान परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित है।

Thanks : **NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF**

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. Prahlad Mohne - Mrs. Usha Mohne
Nagpur (MH)

Mrs. Poornima Devi - Mr. Bajrang Lal Kurnani
Delhi

Mr. Shanti Lal - Mrs. Sarju Bai Jain
Hyderabad

Mr. Chander Shekhar - Mrs. Reeta Bharwdaj
Dharmshala (HP)

Mr. Subhash - Mrs. Sulekha Jain
Chandan Hosiery Mill, Ludhiana (PB)

Mr. B.L. Chandalia - Mrs. Kanta Chandalia
Udaipur (Raj.)

Mr. Ray Ratan - Mrs. Tulsi Devi Sarada
Nagpur (MH)

Mr. Bikam Chand - Mrs. Preeta Jain Lodha
Secunderabad (TG)

Mr. Dilip Kumar - Mrs. Pushpa Khatri
Bikaner (Raj.)

Mr. Mukund Lal - Mrs. Rajkumari Agrawal
Secunderabad (TG)

Mr. Deepak Rathi
Delhi

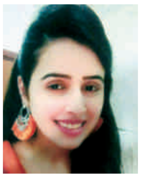
Mrs. Manpreet Rathi
Delhi

Mr. Revantmal Karnani
Rohini, New Delhi

Mr. Dev Narayan Pandey
Kanpur (UP)

Mrs. Divya Jain
W/o Upendra Jain, Raipur

Mr. Vinod Kumar Jain
Bundi - Kota (Raj.)

Mrs. Kaushalya Devi
Ludhiana (PB)

Mr. R.K. Bhardwaj
Bharatpur (Raj.)

Lt. Mr. Ramesh Chandra
Gehlot, Udaipur (Raj.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री राम गोपाल - श्रीमती कलावती शर्मा एवं
किनसुख शर्मा, जयपुर (राज.)

श्री अनिल जैन एवं परिवार
लुधियाना (पंजाब)

श्री सुनील - श्रीमती वन्दना वाधवा
मुम्बई

श्रीमती जनक खन्ना
फरीदाबाद (हरि.)

श्री तारा चन्द जी - श्रीमती उषा देवी जैन
जयपुर (राज.)

श्रीमती कमल कासलीवाल - श्री धनमोहन कासलीवाल
जयपुर (राज.)

श्री रामेश्वर नाथ गुप्ता - श्रीमती लाज जी गुप्ता
जयपुर (राज.)

श्रीमती एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद सक्सेना
जयपुर (राज.)

श्री कैलाश चन्द जैन - श्रीमती त्रिशला जैन
जयपुर (राज.)

श्रीमती रामप्यारी जी मीणा एवं श्री मोहनलाल जी मीणा
जयपुर (राज.)

श्रीमती भगवती शर्मा - श्री मदन लाल जी शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री जगदीश चन्द अग्रवाल - श्रीमती सरोज अग्रवाल
जयपुर (राज.)

श्री विजय वीर सिंह जी - श्रीमती सुमन सिंह जी
जयपुर (राज.)

श्रीमती प्रेम निझावन एवं कालरा साहब
दिल्ली

श्री राम नारायण जी शर्मा
जयपुर (राज.)

श्रीमती कनक देवी जैन
जयपुर (राज.)

श्री रामस्वरूप छाबड़ा
जयपुर (राज.)

श्री अशोक संगीतम
हैदराबाद

श्री प्रेम कुमार सोंथलिया
हैदराबाद

करुणा की बहती धारा में अपने अविवेक को धो डालो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Yes Bank	A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl.
Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D,
N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Tara Netralaya - Ratlam
Smt. Vimla Mukhija Charitable Netra &
General Clinic, Vimal Niwas, Street No. 1,
Near Ujala Palace Hotel, Station Road,
Ratlam (M.P.) 457001,
Mob. No. +91 7821855745

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai
Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-
211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007
(Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, मार्च - 2020
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

मस्ती की पाठशाला : झुग्गी झोपड़ी के बच्चों हेतु शिक्षा सहयोग प्रति बालक रु. 12000/- प्रतिवर्ष

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस '
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रात: 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org